एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य,
प्रशासकीय भवन, ५ वीं मंजिल, डॉ. आंबेडकर उद्यान के निकट,
सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

रविवार, दिनांक
(समय-- सुबह १०.३० से १.१५ बजे तक)
(कुल अंक - १००)

पहला प्रश्नपत्र--विहित पाठ्य-पुस्तक तथा कार्यरूप व्याकरण

सूचनाएँ:-

१. सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखें।
२. शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

गुण

प्र.१ ला निम्नलिखित गद्य अवतरणों में से किन्हीं **दो** का ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए। **(१५)**

(१) "क्यों न करूँगी सरकार, यही तो चाहती हूँ।"

(२) "मैं चिंता के मारे मरी जाती हूँ। मुझे कोई दूसरी बीमारी नहीं है, केवल यही चिंता का रोग है।"

(३) "बूढा, हम जब तक जिएँगे तुम्हारा यश गाएँगे। तुमने बच्चे को जिला लिया। "

(४) "तभी तो यहाँ ऐसे ऐसे अत्याचार होते हैं और यात्रियों को दंड नहीं मिलता। अब इन्हीं हाथों से उसे दंड दूँगी।"

(५) "विष पिलाने आई थी, सुधा पिला रही थी। मनुष्य में देवता कितना प्रबल है!"

(६) "बहू जी, भगवान सब कुशल करेंगे, क्यों जी इतना छोटा करती हो ?"

(७) "बाबूजी, आपकी इच्छा है तो मुझ से भी जो कुछ बन पड़ेगा, आपकी सेवा कर दूँगी।"

(८) "क्यों न वह उसमुर्गी को खरीद ले। खाली हाथ घर जाना अच्छा नहीं।"

(९) "क्या छह आने में बाकी सफर लारी में बैठकर नहीं हो सकता ?"

(१०) "खाने-पीने का सामाने घर से न ले जाएँ तो और कहाँ से जे जाएँ।"

(११) "पैसे जाया नहीं करना। कम-से-कम इतने जरूर जमा करके ले आना कि मैं नया फिरन सिलवा सकूँ।"

(१२) "अब न उसके पास पैसे थे, और न आगे केलिए कोई निश्चय करना बाकी था।"

(१३) "पर्यावरण के विषय में क्रांतिकारी विचार रखने वाले लोग इस कार्यकम की गहराई में जाना चाहते हैं।"

(१४) "जनता का सहयोग प्राप्त करने में और उसे स्थायी रखने में संचार के सभी माध्यमों का उपयोग होना चाहिए।"

(१५) "दक्षिण और पश्चिमी भारत में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा समाजसेवा की एक पुरानी परंपरा है।"

(१६) "सरकारी संस्थाओं की 'रीति में प्रीति नहीं है'।"

(१७) "देश के संविधान केअनुसार यह उत्तरदायित्व राज्य सरकारों का है।"

(१८) "राहत और दान की संस्थाएँ धीरे-धीरे सक्रिय कार्यक्रम की संस्थाएँ बन गई है।"

(१९) "ले रीं मैं ने खड़िया भिगो रखी है, जरा बाहर के आँगन को माँड़ दे। "

(२०) "तू जाते समय ग्वाले को कहती जाना कि कल दूध जल्दी दे जाए, और अब दूध ज्यादा लगेगा। "

(२१) "अभी मंझें पहचानता नहीं। एक बार मुंझे पहचानने लगेगा तो छोडेगा नहीं।"

(२२) "यह क्या अम्मा तुम कुछ भी गरम कपडा नहीं पहने हो ! सरदी खा गई तो बीमार पड़ जाओगी।"

(२३) "बेटू अब मेरा है, पूरी तरह मेरा है, यह भावना उसी दिन पूरी तरह उनके मन में जम पाई।"

(२४) "अम्मा, आपने तो इसे बिगाड़कर धुलकर रखा है, इस तरह कैसे चलेगा ?"

(२५) "अब इनके दो दिन के सुख के लिए बच्चे के सारा भविष्य बिगाड़कर रख दूँ ?"

(२६) "मेरा बेटू फूले-फले, पढ़-लिखकर लायके बने इससे बढ़कर खुशी की बात मेरे लिए और क्या हो सकती है।"

(२७) "अब तो तुम परसाद चढाओ अम्मा, और मजे से भजन पूजा करो।"

(२८) "अर्थात् अत्यंत उन्नत चिकित्सा सुविधाओं को उचित कीमतों पर जनता को उपलब्ध कराने

का उद्देश्य प्रमुख है।"

(२९) "तो फिर वह क्या है जिसका हमारे पास अभाव है ?"

(३०) "ऐसा होने पर उन फायदों का आनंद ले सकने के काबिल बनेंगे, जो कोशिश करने पर प्राप्त होते है। "

(३१) "कोई अजेंडा देश के लोगों में सौहार्द से अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं हो सकता।"

(३२) "हमें इसके लिए नया कार्यबल तैयार करने की जरूरत है। ये उपाय किसानों को राहत दिलाएँगे।"

(३३) "ये तथा अन्य राज्य आर्थिक विकास के अच्छे उदाहरण साबित हो सकते हैं।"

(३४) "देश के प्रति प्यार हमारी मूल प्रेरणा शक्ति होनी चाहिए।"

(३५) "हमें आजादी उपहार स्वरूप नहीं मिली थी।"

(३६) "क्या हम उस इच्छा शक्ति को दोबारा पैदा कर सकते हैं ?"

(३७) "दुर्भाग्यवश उसमें वे सभी सद्‌गुण थे, जो जेल का द्वार खोल देते हैं।"

(३८) "माता का हृदय दया का आगार है। उसमें से दया की ही सुगंध निकलती है।"

(३९) "जिस पेशे में हूँ, उसमें कुकर्म किए बगैर काम नहीं कर सकता ? "

(४०) "पराधीनता से हाल ही में मुक्त देशों में प्रशासक शासक होता है सेवक नहीं।"

(४१) "इसमें भी कोई वजन है जो उठाना भारी पडे। फूल- जैसा तो हल्का है।"

(४२) "मूल से ब्याज ज्यादा प्यारा होता है, इसे तो मैं खूब पढाऊँगी, तू चिंता मत कर बहू।"

(४३) "जिसकी थाती उसी को सौंपी। बुढापा है, कुछ भजन-पूजन ही कर लूँ।"

(४४) "क्या हम उस इच्छा शक्ति को दोबारा पैदा कर सकते हैं।"

(४५) "जिम्मेदारी को ओढना भी दरअसल अपनी योग्यताओं का भरपूर इस्तेमाल करने की इच्छा का होना ही है।"

प्र.२ रा निम्नलिखित पद्य पंक्तियों में से किन्हीं **दो** का ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए। **(१५)**

(१) "ऐल फैल खैल मैल खलक में गैल गैल गजन की ठैल पैल सैल उसलत है।
तारा सो तरनि धूरि धारा नै लगत, जिमिथारा पर पारा पारावार यौ हलत है।"

(२) "कामिनी कंत सो, जामिनी चंद सो, दामिनी पावस मेघ घटा सो।
कीरति दान सो, सुरति ज्ञान सो, प्रीति बड़ी सनमान महा सो।"

(३) "पैज प्रतिपाल भूमि भार को हमाल, चहुँचक्क को अमाल भयो दंडक जहान को।
साहिन को साल भयो, ज्वाल को जवाल भयो, हर को कृपाल भयो हार के विधान को।। "

(४) "भूषण सूषन सो तरूनी, नलिनी नव पूषण देव प्रभा सो।
जाहिर चारिहु और जहान लसे हिंदूवानखुमान सिवा सो।।"

(५) "साजि चतुरंग बीर रंग मै तुरंग चढ़ि सरजा शिवाजी जंग जीतन चलत है।
'भूषण' भनत नाद बिहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के रलत है।।"

(६) "कोलाहलमय जग को हरदम
चकित देखता है तू कौन ? "

(७) "स्वावलंबन की समुचित शिक्षा,
पाता तुझसे है संसार।।"

(८) "करता है तू सफल सर्वदा,
अपना छोटा-सा अस्तित्व।।"

(९) "दया, क्षमा, ममता आदिक हैं
तेरे रत्नों के भंडार।"

(१०) "संझा और सकारे ऐसे हैं कहाँ ?
सूरज, चाँद, सितारे ऐसे हैं कहाँ ? ।।"

(११) "कोलाहलमय जग को हरदम
चकित देखता है तू कौन ?"

(१२) "त्योहारों की धूम, दीवाली के दिए,
होली के रंगों बिना कोई क्या जिए।।"

(१३) "कोई मेरी खुशहाली पर खूनी आँख उठाए ना,
मेरा देश है यह, इससे प्यार मुझको !"

(१४) "इतिहासों की गाथा इसके मूल में,
एक चमकती दुनिया इसकी धूल में।।"

(१५) "ये सब मेरी दुनिया की आवाज है,
इसपर ही तो होता मुझको नाज है।।"

(१६) "आल्हा की हुँकार, रमायन की कथा,
वृंदावन के रास गोपियों की व्यथा,"

(१७) "सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है।,
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।"

(१८) "पलने में प्रलय झुलाया है
गोदी में कल्प खिलाए हैं,"

(१९) "हर बार बिखेरी गई
किंतु मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी।।"

(२०) "कोयल उड़ जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।"

(२१) "लेकिन मानव का फूल खिला, जबसे आकर वाणी का वर,
विधि का विधान लुट गया स्वर्ग उपवर्ग हो गए न्यौछावर,"

(२२) "यों तो बच्चों की गुडिया-सी भोली मिट्टी की हस्ती क्या,
आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए,"

(२३) "यों मदिरालय के प्याले-सी मिट्टी की मोहक मस्ती क्या,
अधरों को छुकर सकुचाए, ठोकर लग जाए छहराए,"

(२४) "फसलें उगतीं, फसलें कटतीं लेकिन धरती चिर उर्वर है,
सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन मिट्टी अविनश्वर है।,"

(२५) "मिट्टी में स्वर है, संयम है, होनी-अनहोनी कह जाए,
हँसकर हलाहल पी जाए, छाती पर सब कुछ सह जाए,"

(२६) "कवि मिट जाता लेकिन उसका उच्छ्वास अमर हो जाता है।
मिट्टी गल जाती पर उसका विश्वास अमर हो जाता है।"

(२७) "इसकी मिट्टी में गर्मी है काल की,
इसमें ताकत है उठते भूचाल की।"

(२८) "कोई हँसती गाती राहों में अंगार बिछाए ना,
पथ की धूल है यह, इससे प्यार मुझको"

(२९) "मणीपुरी के नृत्यों की चंचल परी,
और भरतनाटयम् पर छिड़त बाँसुरी।"

(३०) "भ्रातृभाव, समता, क्षमता का,
तू है अवनी में अधिवास।।"

प्र.३ रा निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग आठ-दस पंक्तियों में लिखिए। **(१५)**

(१) आत्मानंद का चरित्र चित्रण कीजिए।

(२) आत्मानंद की माता माधवी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(३) आत्मानंद की माता माधवी के मन में बदले की भावना क्यों जागृत हुई।

(४) आत्मानंद को जेल क्यों जाना पड़ा ?

(५) मि. बागची का चरित्र चित्रण कीजिए।

(६) माधवी ने बदला लेने हेतु मि. बागची के घर प्रवेश किस प्रकार किया ?

(७) माधवी का बदला लेने का हेतु असफल क्यों हुआ ?

(८) मिसेस बागची के चिंतित रहने की कारणों का स्पष्टीकरण कीजिए।

(९) "माता का हृदय" कहानी के आधार पर मातृत्त्वभाव का स्पष्टीकरण कीजिए।

(१०) अहमदू का चरित्र चित्रण कीजिए।

(११) "मुर्गी की कीमत" द्वारा लेखकने कश्मीर की वादीयों का चित्रण किस प्रकार किया है ?

(१२) अहमदू के पैदल सफर का सविस्तर चित्रण कीजिए।

(१३) अहमदू के पास महसूल देने हेतु पैसे न होने कारण उसकी दशा कैसे हुई - सविस्तर चित्रण कीजिए।

(१४) लेखक ने "मुर्गी की कीमत" द्वारा महसुली चपरासी का चरित्र चित्रण किया है, लिखिए।

(१५) अहमदू के हाथों मुर्गी की मृत्यु कैसे हुई ? -- विस्तार से लिखिए।

(१६) गरीब अहमदू की इच्छाएँ क्यों नहीं पूरी हो पातीं ?

(१७) अहमदू और उसकी बीबी ने मुर्गी से कौन-सी आशाएँ लगा रखी थीं ?

(१८) " पर्यावरण प्रदूषण एक ज्वलंत समस्या" पर प्रकाश डालिए।

(१९) पर्यावरण की सुरक्षा के हेतु जनता का क्या योगदान होता है ?

(२०) पर्यावरण की सुरक्षा के हेतु सरकारी संगठनों के कार्य पर प्रकाश डालिए।

(२१) पर्यावरण की सुरक्षा के हेतु गैर सरकारी संगठनों के कार्य पर प्रकाश डालिए।

(२२) अपने देश में किस तरह की स्वयंसेवी संस्थाएँ है एवंउनका पर्यावरण सुरक्षा हेतु योगदान पर प्रकाश डालिए।

(२३) सरकारी संस्थाओं और गैर सरकारी संस्थाओं की कार्यपध्दति पर प्रकाश डालिए।

(२४) दक्षिण और पश्चिमी भारत में गैर सरकारी संगठनों के पर्यावरण सुरक्षा के कार्य पर प्रकाश डालिए।

(२५) पर्यावरण परिरक्षण दिशा में शिक्षा संस्थाओं का क्या योगदान रहा है ?

(२६) रामेसुर और बहू की खातिरदारी के लिए अम्माने किस तरह तैयारियाँ की थीं ?

(२७) रामेसुर आने से पहले अम्मा की दिनचर्या क्या थीं ? उसमें रामेसुर के आने के बाद क्या परिवर्तन आया ?

(२८) अम्मा के लाड-प्यार के कारण बेटू में किस तरह परिवर्तन हुआ ?

(२९) बेटू को अपने साथ ले जाने हेतु रामेश्वर किस धर्मसंकट में था-- इस पर प्रकाश डालिए।

(३०) बेटू को अपने साथ ले जाने की रमा की बात सुनकर अम्मा की मानसिक स्थिति कैसी हुई?

(३१) अम्मा के व्यक्तित्व का चित्रण कीजिए।

(३२) रमा ने बेटू के प्रति कठोर रवैया क्यों अपनाया था ?

(३३) "मजबूरी" कहानी में उठाई गई समस्या पर प्रकाश डालिए।

(३४) ए.पी.जे. अब्दुल कलामजी के सपने का भारत कैसा होगा ?

(३५) अभियान व संगठनों के बारे में अब्दुल कलामजी के क्या विचार हैं ?

(३६) मानव ऊर्जा के बारे में अब्दुल कलामजी के अनुभवों पर प्रकाश डालिए।

(३७) किस प्रकार की चुनौतियों से जूझने की बात अब्दुल कलामजी करते हैं ?

(३८) अब्दुल कलामजी को, त्रिपुरा, असम और झारखंड इन राज्यों की अपनी यात्राओं में किस प्रकार के क्षमताओं का दर्शन हुआ ?

(३९) "सभी स्तरों पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया बदस्तूर जारी है।" ऐसा अब्दुल कलामजी क्यों कहते हैं ?

(४०) मानवशक्ति और ढाँचागत सुविधाओं की सर्वाधिक योग्यता के होते हमारे पास किसका अभाव है जो अब्दुल कलामजी को खाए जा रहा है ?

(४१) अब्दुल कलामजी के विचार नुसार प्रशासकों पर कौन-सीं जिम्मेदारी होती है ?

प्र.४ था निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग आठ-दस पंक्तियों में लिखिए। **(१५)**

(१) कवि भूषण ने छत्रपति शिवाजी की वीरता का वर्णन किस प्रकार किया है?

(२) कवि भूषण ने छत्रपति शिवाजी की चतुरंगी सेना का वर्णन किस प्रकार किया है?

(३) कवि भूषण ने राष्ट्र गौरव किसे कहाँ है और क्यों ?

(४) कवि भूषण ने "शिवप्रशंसा" द्वारा छत्रपति शिवाजी का चित्रण किस प्रकार किया है -- स्पष्ट कीजिए।

(५) कवि ने ग्राम्य जीवन का वर्णन किस प्रकार किया है?

(६) शहरी जीवन की ओर चकित आँखों सें कौंन देखता है और क्यों ?

(७) कवि ने शहरी जीवन का वर्णन किस प्रकार किया है?

(८) ग्राम्य जीवन - शहरी जीवन से किस प्रकार भिन्न हैं - स्पष्ट कीजिए।

(९) "देश" कविता के द्वारा कवि ने हमारी परंपरांओं का वर्णन किस प्रकार किया है - विस्तार से लिखिए।

(१०) "देश" कविता के द्वारा कवि ने हमारी प्रकृति तथा कलागत विशेषताओं को किस प्रकार स्पष्ट किया है ?

(११) "देश" कविता के द्वारा कवि हमें क्या बताना चाहता है - विस्तार से लिखिए।

(१२) कवि की दृष्टि से जीवन की परिपूर्ति जिनमें है - विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(१३) कवि देश के प्रति क्या कामना करता है - यह विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(१४) "मिट्टी की महिमा" इस कविता के द्वारा कवि ने मिट्टी में अमिट जीवन शक्ति है - यह किस प्रकार स्पष्ट किया है।

(१५) "मिट्टी की महिमा" इस कविता के द्वारा, नवजीवन की आशा निहित है - इस संकल्पना को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(१६) कवि ने मिट्टी के गुण विशेषताओं का वर्णन किस प्रकार किया है ?

(१७) भोली मिट्टी की हस्ती वर्णन कवि ने किस प्रकार किया है - यह विस्तार से लिखिए।

(१८) मिट्टी अविनश्वर क्यों है - यह विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(१९) "मिट्टी की महिमा" इस कविता द्वारा कवि कौनसा संदेश देना चाहता है - यह विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(२०) "शिवप्रशंसा" इस कविता में छत्रपति शिवाजी की धर्मनिष्ठा एवं राष्ट्रभक्ति का वर्णन किस प्रकार किया है यह स्पष्ट कीजिए।

प्र.५ वा निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए। **(१०)**

(१) खिलौनेवाले के आगमन का और उसकी ओर आकर्षित होनेवाले बच्चों का वर्णन विस्तार से लिखिए।

(२) मुरलीवाले के संदर्भ में नगर में किस प्रकार की चर्चा हो रही थी और विजयबाबू को मुरलीवाले का क्या अनुभव प्राप्त हुआ ?

(३) लेखकने मुरलीवाले का चरित्र चित्रण किस प्रकार किया है - यह विस्तार से लिखिए।

(४) मिठाईवाला इससे पहले नगर में कितनी बार आ चुका था और क्यों - विस्तार से लिखिए।

(५) मिठाईवाला चीजें सस्ते में क्यों बेचता था - विस्तार से लिखिए।

(६) लेखकने 'मिठाईवाला' इस पाठ के माध्यम से कौनसा संदेश दिया है - विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(७) लेखकने 'गूँगे' इस पाठ के माध्यम से समाज की किस प्रवृत्ती की ओर संकेत किया है - यह स्पष्ट कीजिए।

(८) लेखकने 'गूँगे' इस पाठ के माध्यम से किस अवसाद को वाणी देने का प्रयास किया है और क्यों ?

(९) गूँगा दया या सहानुभूति नहीं, अधिकार चाहता हैं - यह विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

(१०) 'गूँगे' कहानी को पढ़कर आपके मन में कौन-कौन से भाव उत्पन्न होते है ?

(११) लेखकने 'गूँगे' के कहानी के माध्यम से वह एक स्वाभिमानी बालक था -विस्तार से लिखिए।

(१२) 'गूँगे' का चरित्र चित्रण विस्तार से लिखिए।

प्र.६ ठा निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** के अर्थ लिखकर मुहावरों का अर्थपूर्ण वाक्यों मे प्रयोग **(१०)** कीजिए।

१. आत्मा का पतन होना

२. आशाओं के बाग लगाना

३. झूठी शहादतें बनाना

४. पाँवतले की (से) जमीन निकल जाना

५. रक्त के आँसू रूलाना

६. सन - सा हो जाना

७. अपनी राह चलना

८. कसर न छोड़ना

९. चेहरा तमतमा उठना

१०. तसल्ली करना

११. दम तोड़ना

१२. बिलख - बिलखकर रोना

१३. मसल - मसलकर गिनना

१४. माथा ठनकना

१५. रंग बिखर आना

१६. शरीर ठंडा पड़ जाना

१७. सारी उमँगे बैठ जाना

१८. सिसकियाँ भरने लगना

१९. जंजीर में जकडे रहना

२०. हाथ खींच लेना

२१. खून खौल जाना

२२. खून का घूँट पीकर रह जाना

२३. ईजाद करना

२४. कदम से कदम मिलाकर चलना

२५. कमर कस लेना

२६. खाए जाना

२७. घुटने टेकना

२८. चुनौतियों से जूझना

२९. नींव रखी जाना

३०. अप्रतिभ हो उठना

३१. आँखे आँसुओं से तर होना

३२. उछलना - कूदना

३३. प्राण निकले न निकलना

३४. सोने का संसार

३५. मुँह फेर लेना

प्र.७ वा निम्नलिखित शब्द समूहों में से किसी **एक** का भाव स्पष्ट कीजिए। **(५)**

१. "सूरज दम के तो तप जाए।"

२. "पानी बरसे तो गल जाए।"

३. "मिट्टी मिट्टी को रचती है।"

४. "भूकंप उठे तो ढह जाए।"

५. "आल्हा की हुँकार, रमायन की कथा।"

६. "सिर्फ बहारों को जिसका आभास है।"

७. "इस पर ही तो होता मुझको नाज है।"

८. "पथ की धुल है यह।"

९. "औरों के हित करना त्याग।"

१०. "मानवता का प्रेम निकेतन।"

११. "करता है तू सफल सर्वदा।"

१२. "कीरति दान सो, सुरति ज्ञान सो।"

१३. "केवल यही चिंता का रोग है।"

१४. "सर्दी ही तों मालूम होती है।"

१५. "माता का हृदय दया का आगार है।"

१६. "खाई भी जा सकती है।"

१७. "वह बिलकुल बदहवास हो गया।"

१८. "मगर धोखा करने से बाज न आएँगे।"

१९. "जैसे कोई अदृश्य बोझ हर वक्त उठाए हुए हो।"

२०. "पर्यावरण की हानियाँ समझाएँ।"

२१. "उन्हें जनता का सहयोग मिलने लगता है।"

२२. "नहीं तसे मैं माँड़ लेती।"

२३. "पर क्या करे, नौकरी तो आखिर नौकरी ही है।"

२४. "भगवान तुम्हें दुसरा भी बेट दें।"

२५. "जहाँ काई बंधन नहीं, अंकुश नहीं।"

२६. "दोनों में कोई सामंजस्य ही नहीं था।"

२७. "सो एकाएक मुझसे दूर केसे रहेगा ?"

२८. "दो पैछे में खिलौनेवाले दे गया ऐ।"

२९. "पार्क में खेलने निकल गए हैं।"

३०. "तो क्या हुआ यें छह पैसे वापस लों।"

३१. "खैर, मैंअधिक न दे सकूँगा।"

३२. "आपकी दया से पैसे तों काफी है।"

३३. "केवल कर्कश काँव-काँव का ढेह।"

३४. "मुझे तो कुछ नहीं मालूम।"

३५. "काम तो करता नहीं भिखारी।"

३६. "यहाँ तुम्हारे नखरे कोई नहीं उठा सकता।"

प्र.८ वा निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** सामासिक शब्दों का विग्रह करके उन समासों के प्रकार लिखिए। **(३)**

१. आत्मानंद
२. आत्मवेदना
३. गाना-बजाना
४. पुण्यप्रताप
५. पदाधिकार
६. दुष्परिणाम
७. विश्वविद्यालय
८. अनौपचारिक
९. महिलामंडल
१०. शासनतंत्र
११. मानवऊर्जा
१२. प्रेरणाशक्ति
१३. कार्ययोजना
१४. विश्वबाजार
१५. मदिरालय
१६. उच्छ्वास
१७ अविनश्वर
१८. वृंदावन
१९. खुंशहाली
२०. विश्वसाधना
२१. भ्रातृभाव
२२. भूवपाल
२३. दिलचस्पी
२४. ज्वालामुखी
२५. अनाथाश्रम
२६. अविश्वास
२७. अत्याचार
२८. स्नेहाभिसिक्त
२९. इच्छानुसार
३०. प्रगतिशील
३१. मानवशक्ति
३२. प्रतिभाशाली
३३. पूर्वोत्तर
३४. अर्थव्यवस्था
३५. गतिविधियाँ
३६. उद्योगसमुदाय
३७. प्रतिस्पर्धात्मकता
३८. आधारस्तंभ
३९. यशोगाथा
४०. तन-बदन
४१. मोह-माया
४२. धर्मसंकट
४३. औषधालय
४४. कार्यपद्धति
४५. भ्रष्टाचार
४६. अपराजित
४७. विशालकाय
४८. दुर्भाग्यवश
४९. आतिशबाजी
५०. खुरखुराहट

प्र.९ वा निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। **(३)**

१. सजावट
२. परवस्ती
३. दुर्गति
४. अमंगल
५. आधिपत्य
६. मनौतियाँ
७. अभागिनी
८. पुण्यप्रताप
९. कुकर्मी
१०. जेलयात्रा
११. पगडंडी
१२. अपमानित
१३. असंभव
१४. गतिहीन
१५. विशालकाय
१६. मानवमस्तिष्क
१७ ज्ञानकक्ष
१८. विश्वविद्यालय
१९. बेरोजगारी
२०. सम्मिलित
२१. कार्यप्रणाली
२२. दुष्परिणाम
२३. परियोजना
२४. सेवाभावना
२५. पदाधिकारी
२६. अभाग्यवश
२७. कार्यपद्धति
२८. सदुपयोग
२९. आजकल
३०. औषधालय
३१. सतर्कता
३२. धर्मसंकट
३३. सचमुच
३४. कामकाज
३५. परमाणु
३६. प्रयोगशाला
३७. तर्कसंगत
३८. अंतर्दृष्टि
३९. प्रेरणाशक्ति
४०. इच्छाशक्ति
४१. उपग्रह
४२. बिजलीघर
४३. अंतरराष्ट्रीय
४४. प्रक्षेपास्त्र
४५. मानवशक्ति
४६. सर्वाधिक
४७. कार्ययोजना
४८. ऊर्जावात
४९. अर्थव्यवस्था
५०. परिकामना

प्र.१० वा कोष्टक में दी गई सूचना के अनुसार किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए। **(३)**

१. (अधोरेखित शब्दों का पद परिचय दीजिए।)

(१) हमें विश्वास है कि तुम इसकी रक्षा हम लोगों से कहीं अच्छी तरह कर सकती हो।

(२) वह उस वक्त कभी नहीं आती जब लोग उसकी राह देखते होते हैं।

(३) अहमदू सोच रहा था, क्यों न वह मुर्गी को खरीद ले।

(४) लड़की ने पहले कोई जवाब नहीं दिया।

(५) 'गांधी शांति प्रतिष्ठान' तथा कुछ गांधीवादी संगठनों ने भी इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है।

(६) वास्तव में इनमें ज्यादा ओर ही होता है।

(७) मैं कुछ और बातों का भी जिक्र करना चाहूँगा।

(८) भारत को फिर से विश्वगुरू के पद पर आसीन करने में सक्षम होगी।

(९) एक दिन अमरिका भी लाल हेा जाएगा।

(१०) संसार में प्रत्येक कार्य अनेक कारणों से होता है।

२. क्रिया पदबंधो को रेखांकित कीजिए।

(१) मैं बहुत खा चुका हूँ।

(२) मैंआम खाता हूँ।

(३) वह दौड़ता हुआ आया।

(४) रमेश गाव जा रहा है।

(५) सुलभा खाना खा रही है।

(६) भैरव सामान लेकर चला गया।

(७) सुभाष फुलों का गुलदस्ता लाने गया है।

(८) सरल पढ़ई करता है।

(९) कमल खिलोने लेकर आ रही है।

(१०) मुरलीवाला मुरली बजा रहा है।

३. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए।

१.	प्रतिकुल	१६.	अप्रवृत्ति
२.	अविश्वास	१७	गंभीरता
३.	परवस्ती	१८.	स्वरूप
४.	अचल	१९.	अचेतना
५.	सुपरिचित	२०.	अनुकुल
६.	निराशा	२१.	प्रगति
७.	फरीयादी	२२.	सामाजिक
८.	बत्तियाँ	२३.	अहिंसा
९.	सामूहिक	२४.	अस्वस्थ
१०.	मानसिकता	२५.	विकल्प
११.	सावधानी	२६.	असफल
१२.	सद्‌गुण	२७.	अज्ञात
१३.	चिरकाल	२८.	अज्ञान
१४.	संकल्पित	२९.	प्रसन्नता
१५.	अवगुण	३०.	संगठन

४. निम्नलिखित दो शब्दों में प्रत्यय जोडकर नए शब्द बनाइए।

१.	परंपरा	१६.	समूह
२.	संस्कृत	१७	समाज
३.	शौक	१८.	सावध
४.	जय	१९.	शांत
५.	शरीर	२०.	कुरूप
६.	कल्पना	२१.	काल
७.	गुण	२२.	प्रकृति
८.	प्रसन्न	२३.	चल
९.	खेल	२४.	गंभीर
१०.	विज्ञान	२५.	कौशल
११.	प्रयोग	२६.	किंमत
१२.	प्रगती	२७.	रोजगार
१३.	महान	२८.	परिचय
१४.	भूगोल	२९.	मुरली
१५.	विकास	३०.	निर्भय

५. निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में योग्य विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

(१) मिस्टर बागची ने पूछा बुठ्ढी तू यहाँ क्यों बैठी है

(२) माधवी मालकिन आप भी ऐसा कहती हैं

(३) अहमदू के बैठे बैठे पुकारा मुर्गी के चोगी

(४) ओहो तो रामेसुर लल्ला आ रहे हैं कल नर्बदा बोली

(५) अरे हम सभी तो तुम्हारे हैं अम्मा बोलो नहीं हैं

(६) मेरा बेटू कहाँ है मेरा बेटू ही है शिब्बू तुझे मैं ने किस लिए भेजा था

(७) मुन्नू बोला औल दे थे मेला आती केछा छुन्दल ऐ

(८) भला इसमें उसे क्या मिलता होगा मेहनत भी तो न आती होगी

(९) दादी बोली अरे अरे तब अपने पैसे लिए जा भाई

(१०) कौन शकुंतला कुछ भी नहीं जानती

(११) सुशीला ने कहा इशारे गजब के करता है अकल बहुत तेज है

(१२) सुशीला ने कहा पछताओगी भला यह क्या काम करेगा

(१३) कहाँ गया था चमेली ने कठोर स्वर से पूछा

प्र.११ वा निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **तीन** वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(३)**

१. हर को कृपाल भयो हार के ---------- को।

२. बीर रस ख्याल --------- भूवपाल।

३. नदी नद मद ---------- के रलत है।

४. जिमि धारा पर पारा ---------- यौ हालत है।

५. प्रीति बड़ी ---------- महा सों।

६. ---------- जग को हरदम।

७. तुझसे ही ---------- जगत है।

८. स्वावलंबन की ---------- शिक्षा।

९. तू है ---------- में अधिवास।

१०. है ---------- जल, शुद्धवायु ही।

११. जगती तल में निज ---------- ।

१२. एक ---------- दुनिया इसकी धूल में।

१३. संझा और ---------- ऐसे हैं कहाँ ?

१४. --------- के रास, गोलियों की व्यथा।

१५. ये सब मेरी ---------- की आवाज है।

१६. मेरा देश है यह, ---------- प्यार मुझको !

१७. निर्मल ---------- की थापी से।

१८. पानी ---------- तो गल जाए।

१९. मिट्टी गल जाती पर उसका ---------- अमर हो जाता है।

२०. गोदी में कल्प ---------- हैं।

२१. अधरों को छूकर ---------- ।

२२. कोयल उड़ जाती पर उसका ---------- अमर हो जाता है।

२३. मिट्टी मिट्टी पर ---------- है।

२४. हँसकर ---------- पी जाए।

२५. विधि का ---------- लुट गया स्वर्ग।

प्र.१२ वा निम्नलिखित वाक्य किसने, किससे कहे हैं ? (कोई **तीन)** **(३)**

१. "तो जाती क्यों नहीं ? "

२ "हाँ, हुजूर। यह मेरे मन का काम है।"

३. "घूस भी तो मिलती है।"

४. "नहीं-नहीं बूढी माता"

५. "मुर्गी बेचोगी ?"

६. "घर जा रहे हो ?"

७. "मैं इन्हें अपने घर से लाई हूँ।"

८. "डाट-उपट सुन लेंगे, मारपीट तब सह लेंगे"

९. "रूलाने आई थी और खुद रोती जा रही थी।"

१०. "क्या कहूँ सरकार, मेरा कोई घर-द्वार थोडे ही है।"

११. "यह देवी बनकर हमारा कष्ट निवारण करने के लिए आ गई।"

१२. "हो सके तो कपड़ा ही खरीदकर ले आना।"

१३. "खाने-पीने का समान घर ले न ले जाएँ तो कहाँ से ले जाएँ।"

१४. "तो मैं इधर से आती ही क्यों ?"

१५. "सिरीनगर में नहीं मिलता।"

१६. "आहो, तो रामेसुर लल्ला आ रहे हैं कल !"

१७. "ले री, मैं ने खड़िया भिगो रखी है।"

१८. "अभी मुझे पहचानता नहीं।"

१९. "मेरे इस सुने घर में बच्चा रहेगा तो मेरा जनम सफल हो जाएगा।"

२०. "यहाँ तो नहाते ही जैसे जम गया"

२१. "सुनते होजी इस बार बेटू यहाँ रहेगा।"

२२. "अरे, बचपन में कौन जिद नहीं करता।"

२३. "जैसे भी हो, इस बार बेटू को लेकर चलना ही होगा।"

२४. "अम्मा के दुख की बात मैं मानती हूँ।"

२५. "मै.....मैं अपने बेटू के साथ दुश्मनी निभाऊँगी।"

२६. "मैं तुम्हारे लिए मिठाई और गोली लेकर आऊँगा।"

२७. "नहीं कर सकती तो भेजती क्यों ?"

२८. "अरे, चार दिन में ही बच्चा सूख गया। "

२९. "मेरा बेटू कहाँ है ? "

३०. "चलो, तुम्हारी चिंता दूर हुई। "

३१. " ले, पेडे लेता आ, अब परसादी चढ़ाकर बाँट ही दूँ।"

३२. " दो पैछे में खिलौनेवाला दे गया ऐ।"

३३. " भई वाह ! मुरली बजाने में वह एक उस्ताद है।"

३४. " जरा उन मुरलीवाले को बुलाओ तो।"

३५. " पर आपको दो-दो पैसे में दे दूँगा।"

३६. " पर अहसान का बोझ मेरे पर लाद रहे हो।"

३७. " इशारे गजब के करता है। अकल बहुत तेज है।"

३८. " मुझें तो कुछ नहीं मालूम।"

३९. " भाग गया होगा।"

४०. " क्यों रे, तू ने चोरी की है ?"